Daily Current Affairs

Date : 28 October, 2025

अनुक्रमणिका

क्र. सं.	टॉपिक का नाम
1.	राजस्थान में विशेष गहन पुनरीक्षण (SIR)
2.	राजस्थान दुकान एवं वाणिज्य संस्थान (संशोधन) अध्यादेश 2025
3.	राजस्थान AVGC-XR समिट – 2025
4.	सोसाइटी ऑफ पेट्रोलियम जियोफिजिसिस्ट्स (SPG-2025) इंटरनेशनल समिट : जयपुर
5.	न्यूज़ इन शॉर्ट्स 1. राजस्थान कर्मचारी चयन बोर्ड (RSSB), जयपुर की नई सचिव 2. राष्ट्रीय चंबल अभयारण्य एवं घड़ियाल पालन केंद्र 3. कोलाड़ा एवं रामसिंहपुरा सौर ऊर्जा प्लांट 4. वीरेंद्र पूनिया 5. ऑपरेशन शटरडाउन
6.	"आपकी पुँजी, आपका अधिकार" अभियान
7.	भारत-तिब्बत सीमा पुलिस (ITBP) के स्थापना दिवस
8.	भारत और ब्राज़ील रणनीतिक गठबंधन योजना
9.	80 वा संयुक्त राष्ट्र महासभा (UNGA) सत्र, 2025
10.	भारत की तालिबान नीति
11.	सुंदरबन के SAIME मॉडल को FAO द्वारा वैश्विक मान्यता
12.	राष्ट्रीय महत्वपूर्ण खनिज मिशन : उत्कृष्टता केंद्र
13.	दीपावली उत्सव : INS विक्रांत
14.	ग्लोबल हंगर इंडेक्स, 2025
15.	JAIMEX-25 समुद्री अभ्यास
16.	राष्ट्रीय विज्ञान पुरस्कार, 2025
17.	विश्व सांख्यिकी दिवस, 2025 : 20 अक्टूबर
18.	संयुक्त राष्ट्र दिवस, 2025 : 24 अक्टूबर
19.	राष्ट्रीय एकता दिवस, 2025 : 31 अक्टूबर
20.	ज्योति सुरेखा वेन्नम : तीरंदाज

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

राजस्थान परिदृश्य

राजस्थान में विशेष गहन पुनरीक्षण (SIR)

चर्चा में क्यों?

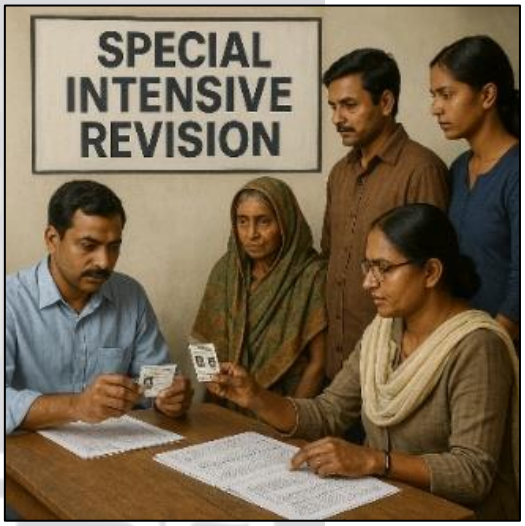

- भारतीय निर्वाचन आयोग (ECI) की घोषणा के अनुरूप राजस्थान में 28 अक्टूबर, 2025 से 7 फरवरी, 2026 तक 'विशेष गहन पुनरीक्षण (Special Intensive Revision - SIR)' की प्रक्रिया संचालित की जाएगी।

मुख्य बिन्दु:

- 22 अक्टूबर, 2025 को ECI ने सभी राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों के मुख्य निर्वाचन अधिकारियों (CEO) का एक सम्मेलन आयोजित किया, जिसमें राष्ट्रव्यापी SIR अभ्यास की तैयारियों का आकलन किया गया।
- राजस्थान में वर्ष 2025 की वर्तमान मतदाता सूची के अनुसार 5 करोड़ 48 लाख 84 हजार 827 मतदाता है।

महत्त्वपूर्ण तिथियाँ:

- **28 अक्टूबर – 3 नवम्बर, 2025 :** प्रशिक्षण एवं गणना प्रपत्र के मुद्रण का कार्य।
- **4 नवम्बर – 4 दिसम्बर, 2025 :** घर-घर गणना प्रपत्र का वितरण एवं संग्रहण कार्य।
- **9 दिसम्बर, 2025 :** मतदाता सूची का प्रारूप (ड्राफ्ट) प्रकाशन।
- **9 दिसम्बर, 2025 – 8 जनवरी, 2026 :** दावे एवं आपत्तियों की अवधि।
- **9 दिसम्बर, 2025 – 31 जनवरी, 2026 :** नोटिस फेज, सुनवाई एवं सत्यापन कार्य।
- **7 फरवरी, 2026 :** अंतिम मतदाता सूची का प्रकाशन।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

- **विशेष गहन पुनरीक्षण (SIR) :** भारतीय निर्वाचन आयोग (ECI) का विशेष गहन पुनरीक्षण (SIR) मतदाता सूचियों को अद्यतन करने की एक प्रक्रिया है, ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि वे सटीक और त्रुटिरहित हों। यह अभ्यास यह सुनिश्चित करने के लिए किया जाता है कि कोई भी योग्य मतदाता छूट न जाए और कोई भी अयोग्य व्यक्ति सूची में शामिल न हो।
- **नोट :** भारतीय निर्वाचन आयोग द्वारा एकीकृत ECINet ऐप / वेबसाइट लॉन्च की गयी है, इसमें 'बुक ए कॉल विद BLO' का भी फीचर उपलब्ध है, जिसके माध्यम से मतदाता BLO से सीधा संपर्क करते हुए विभिन्न प्रकार की जानकारी प्राप्त कर सकते हैं।

फैक्ट्स फॉर प्रीलिम्स:

- **ज्ञानेश कुमार :** 19 फरवरी, 2025 को भारत के 26वें मुख्य चुनाव आयुक्त के रूप में कार्यभार संभाला। वे भारतीय प्रशासनिक सेवा के 1988 बैच के केरल कैडर के अधिकारी हैं।
- **डॉ. सुखबीर सिंह संधू :** 15 मार्च, 2024 को भारतीय निर्वाचन आयोग में चुनाव आयुक्त के रूप में शामिल हुए। वे उत्तराखंड कैडर से 1988 बैच के आईएएस अधिकारी हैं।
- **डॉ. विवेक जोशी :** 19 फरवरी, 2025 को भारतीय निर्वाचन आयोग में चुनाव आयुक्त के रूप में शामिल हुए। वे हरियाणा कैडर से 1989 बैच के आईएएस अधिकारी हैं।
- **राजस्थान के मुख्य निर्वाचन आयुक्त :** राजेश्वर सिंह।
- **मुख्य निर्वाचन अधिकारी (राजस्थान) :** नवीन महाजन।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

राजस्थान दुकान एवं वाणिज्य संस्थान (संशोधन) अध्यादेश 2025

चर्चा में क्यों?

- हाल ही में, मुख्यमंत्री द्वारा 'राजस्थान दुकान एवं वाणिज्य संस्थान (संशोधन) अध्यादेश 2025' का अनुमोदन किया गया।

मुख्य बिन्दु:

- **संशोधन का उद्देश्य :** प्रदेश में व्यापारिक गतिविधियों को बढ़ावा देने के साथ ही श्रमिकों का कल्याण और उनकी सुरक्षा सुनिश्चित करना।

प्रावधान :

- अध्यादेश में किए गए संशोधनों के अनुसार अब कम उम्र के बच्चों को दुकानों एवं वाणिज्यिक संस्थानों में काम पर नहीं रखा जा सकेगा। प्रशिक्षु बनने की न्यूनतम आयु पहले 12 वर्ष थी, जिसे बढ़ाकर अब 14 वर्ष कर दिया गया है।
- 14 से 18 वर्ष की आयु के किशोरों को रात्रि में कार्य करने की अनुमति नहीं होगी, जबकि पहले यह सीमा 12 से 15 वर्ष तक थी।
- अध्यादेश में श्रमिकों की दैनिक कार्य अवधि की अधिकतम सीमा 9 के स्थान पर 10 घंटे नियत की गई है। वहीं, ओवरटाइम करने की अधिकतम सीमा को भी तिमाही में 144 घंटों तक बढ़ाया गया है।

राजस्थान कारखाना (संशोधन) नियम 2025

- 27 अक्टूबर, 2025 को 'मुख्यमंत्री द्वारा राजस्थान कारखाना (संशोधन) नियम 2025' का भी अनुमोदन किया गया।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

- इसके अन्तर्गत विशिष्ट प्रकृति के कारखानों में महिलाओं के नियोजन को स्वीकृति प्रदान की गई है। साथ ही कार्यस्थल पर महिलाओं की सुरक्षा और निजता के अधिकार के संबंध में विशेष प्रावधान भी जोड़े गए है।

फैक्ट्स फॉर प्रीलिम्स:

बाल एवं किशोर श्रम (निषेध एवं विनियमन) अधिनियम, 1986

- भारत में बाल श्रम के विरुद्ध मुख्य कानून बाल एवं किशोर श्रम (निषेध एवं विनियमन) अधिनियम, 1986 है, जिसे वर्ष 2016 में संशोधित किया गया था।
- यह अधिनियम 14 वर्ष से कम उम्र के बच्चों को किसी भी तरह के काम या व्यवसाय में लगाने पर पूरी तरह से रोक लगाता है।
- अधिनियम के अनुसार, 14 से 18 साल की उम्र के किशोरों को खतरनाक व्यवसायों या प्रक्रियाओं में काम पर रखना प्रतिबंधित है।
- 14 साल से कम उम्र के बच्चे कुछ मामलों में अपने परिवार की मदद कर सकते हैं, बशर्ते यह काम स्कूल के समय के बाद या छुट्टियों में किया जाए और वह खतरनाक काम न हो।
- यह अधिनियम भारतीय संविधान के अनुच्छेद 24 के अनुरूप है, जो 14 वर्ष से कम उम्र के बच्चों को कारखानों और खानों जैसे खतरनाक कामों में लगाने से रोकता है।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

राजस्थान AVGC-XR समिट – 2025

चर्चा में क्यों?

- इंटरनेशनल एनिमेशन डे के अवसर पर बिड़ला ऑडिटोरियम, जयपुर में राजस्थान AVGC-XR समिट का आयोजन किया गया।

मुख्य बिन्दु:

- **आयोजन :** 28 अक्टूबर, 2025, बिड़ला ऑडिटोरियम, जयपुर।
- **संस्करण :** प्रथम।
- **थीम :** बिल्डिंग ट्रेंड्स फ्रॉम ट्रेडिशन्स।
- **उद्देश्य :** राजस्थान को भारत की क्रिएटिव इकोनॉमी का हब बनाना।
- इस समिट के माध्यम से राज्य में एनीमेशन, विजुअल इफेक्ट्स, गेमिंग, कॉमिक्स और एक्सटेंडेड रियलिटी (XR) के क्षेत्र में इनोवेशन, स्किल डवलपमेंट और आंत्रप्रिन्योरशिप को बढ़ावा दिया जाएगा।
- यह समिट राजस्थान AVGC-XR पॉलिसी और अटल इनोवेशन एक्सेलेरेशन एवं स्टूडियो सपोर्ट इनिशिएटिव से जुड़ी हुई है।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

प्रमुख पुरस्कार :

- **रामा पैटरन अवॉर्ड –** रजत ओझा।
- **रामा लेजेंड्री मेंटर अवॉर्ड –** डॉ. विभूति।
- **रामा यंग अचीवर अवॉर्ड –** सोनम शेखावत।
- वर्ष 2002 से इंटरनेशनल एनिमेटेड फिल्म एसोसिएशन (ASIFA) द्वारा प्रति वर्ष 28 अक्टूबर को इंटरनेशनल एनिमेशन डे मनाया जाता है।

फैक्ट्स फॉर प्रीलिम्स:

वर्ल्ड ऑडियो विजुअल एंड एंटरटेनमेंट समिट (WAVES) 2025

- **आयोजक :** केन्द्रीय सूचना और प्रसारण मंत्रालय।
- **आयोजन तिथि :** 1 से 4 मई, 2025।
- **स्थान :** जियो वर्ल्ड कन्वेंशन सेंटर, मुंबई।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

सोसाइटी ऑफ पेट्रोलियम जियोफिजिसिस्ट्स (SPG-2025) इंटरनेशनल समिट : जयपुर

चर्चा में क्यों?

- हाल ही में, पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय (MoPNG) के सचिव पंकज जैन द्वारा सोसाइटी ऑफ पेट्रोलियम जियोफिजिसिस्ट्स (SPG-2025) इंटरनेशनल समिट – 2025 का उद्घाटन किया गया।

मुख्य बिन्दु:

- **संस्करण :** 15वाँ।
- **आयोजन :** 26 से 28 अक्टूबर, 2025 तक।
- **स्थान :** नोवोटेल जयपुर कन्वेंशन सेंटर तथा जयपुर एक्ज़िबिशन एंड कन्वेंशन सेंटर (JECC), जयपुर।
- **मुख्य विषय :** "रॉक टू क्लाउड: जियो-एक्सप्लोरेशन एम्पावरिंग एनर्जी इवोल्यूशन"।

उद्देश्य :

- पेट्रोलियम भूविज्ञान पर भारत के प्रमुख वैश्विक मंच के रूप में कार्य करना।
- ऊर्जा क्षेत्र में जियो-एक्सप्लोरेशन के माध्यम से एनर्जी इवोल्यूशन को सशक्त बनाना।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

न्यूज़ इन शॉर्ट्स

क्र. सं.	न्यूज़
1.	**राजस्थान कर्मचारी चयन बोर्ड (RSSB), जयपुर की नई सचिव** ■ हाल ही में, राजस्थान सरकार द्वारा प्रीति माथुर को राजस्थान कर्मचारी चयन बोर्ड (RSSB), जयपुर का नया सचिव नियुक्त किया गया। ■ वहीं दिनेश कुमार शर्मा को प्रबंध निदेशक, राजस्थान बीज निगम, जयपुर के पद पर पदस्थ किया गया।
2.	**राष्ट्रीय चंबल अभयारण्य एवं घड़ियाल पालन केंद्र** ■ हाल ही में, राजस्थान के वन एवं पर्यावरण राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) संजय शर्मा ने मध्य प्रदेश के देवरी मुरैना स्थित राष्ट्रीय चंबल अभयारण्य एवं घड़ियाल पालन केंद्र का अवलोकन किया। ■ राष्ट्रीय चंबल अभयारण्य एवं घड़ियाल पालन केंद्र गंभीर रूप से लुप्तप्राय घड़ियालों के कृत्रिम प्रजनन का कार्य करता है। यहाँ चम्बल नदी के घाटों से एकत्र किए गए अंडों से बच्चे निकलते हैं, उन्हें लगभग तीन साल तक पाला जाता है और फिर नदी में छोड़ दिया जाता है। ■ **नोट :** धौलपुर जिले में चंबल नदी के किनारे 'राजस्थान का पहला कछुआ संरक्षण केंद्र' स्थापित किया जाएगा।
3.	**कोलाड़ा एवं रामसिंहपुरा सौर ऊर्जा प्लांट** ■ हाल ही में, मुख्यमंत्री के निर्देशन में कोलाड़ा एवं रामसिंहपुरा (सवाई माधोपुर) में 2.94 मेगावाट क्षमता का सौर ऊर्जा प्लांट स्थापित किया गया। ■ यह राज्य का 956वां सौर ऊर्जा यंत्र है। ■ राजस्थान ने पीएम-कुसुम योजना के कंपोनेंट-ए एवं कंपोनेंट-सी के अन्तर्गत अब तक 2,000 मेगावाट क्षमता से अधिक के विकेन्द्रित सौर ऊर्जा संयंत्र स्थापित किए हैं। ■ इस योजना के कंपोनेंट-ए में राजस्थान देश में प्रथम स्थान तथा कंपोनेंट-सी में महाराष्ट्र एवं गुजरात के बाद तीसरे स्थान पर है।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

4.	**वीरेंद्र पूनिया** ■ हाल ही में, भारतीय एथलेटिक्स संघ (AFI) ने द्रोणाचार्य पुरस्कारों के लिए कोचों के चयन हेतु गठित समिति में द्रोणाचार्य अवॉर्डी एवं राजस्थान राज्य परिषद के मुख्य खेल अधिकारी वीरेंद्र पूनिया को सदस्य के रूप में नियुक्त किया। ■ इस छह सदस्यीय समिति की अध्यक्षता रविन्द्र चौधरी करेंगे, जबकि अन्य सदस्यों में रेणु कोहली, पी. राधाकृष्णन, मधुकान्त पाठक, जे.एस. भाटिया और वीरेंद्र पूनिया शामिल हैं। ■ इससे पूर्व, एथलेटिक्स फेडरेशन ऑफ इंडिया द्वारा ओलम्पियन व राजस्थान राज्य खेल परिषद की पूर्व अध्यक्ष डॉ. कृष्णा पूनिया को भारतीय एथलेटिक्स सीनियर सलेक्शन कमेटी का सदस्य नियुक्त किया गया था।
5.	**ऑपरेशन शटरडाउन** ■ ऑपरेशन शटरडाउन के तहत झालावाड़ पुलिस ने एक अंतरराज्यीय साइबर ठग गिरोह का पर्दाफाश किया है, जो विभिन्न सरकारी योजनाओं में सेंध लगाकर करोड़ों रुपए की ठगी कर रहा था।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

राष्ट्रीय परिदृश्य

"आपकी पुँजी, आपका अधिकार" अभियान

चर्चा में क्यों?

- केंद्रीय वित्त मंत्री ने गुजरात के गाँधीनगर में राष्ट्रव्यापी जागरूकता अभियान "आपकी पुँजी, आपका अधिकार" का शुभारंभ किया।

मुख्य बिन्दु:

- **शुभारंभ :** 4 अक्टूबर, 2025
- **अवधि :** अभियान अक्टूबर से दिसंबर, 2025 तक सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में आयोजित किया जाएगा।
- **उद्देश्य :** लोगों को उनकी दावा न की गई जमा राशि, बीमा भुगतान, लाभांश, शेयर और म्यूचुअल फंड आय का पता लगाने और उसे दिलाने में सहायता करना।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

मार्गदर्शक सिद्धांत : "3A" ; अवेयरनेस, एक्सेस एंड एक्शन–

1. **अवेयरनेस (जागरूकता) :** नागरिकों को यह पता हो कि लावारिस वित्तीय संपत्तियाँ क्या हैं और उन्हें कैसे वापस पाया जा सकता है।
2. **एक्सेस (पहुँच) :** डिजिटलीकरण और जिला स्तर की पहुँच के माध्यम से प्रक्रिया को सरल बनाया गया।
3. **एक्शन (कार्रवाई) :** पारदर्शी और समयबद्ध ढंग से दावों का निपटान सुनिश्चित किया जाएगा।

- यह लॉन्च वित्तीय समावेशन में भारत की व्यापक उपलब्धियों पर आधारित है-जन धन योजना और यूपीआई से लेकर प्रत्यक्ष लाभ हस्तांतरण तक सुनिश्चित करके, नागरिकों को न केवल वित्तीय सेवाओं तक पहुँच प्राप्त हो, बल्कि उन्हें वह भी वापस मिले जो उनका वास्तविक अधिकार है।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

भारत-तिब्बत सीमा पुलिस (ITBP) का स्थापना दिवस

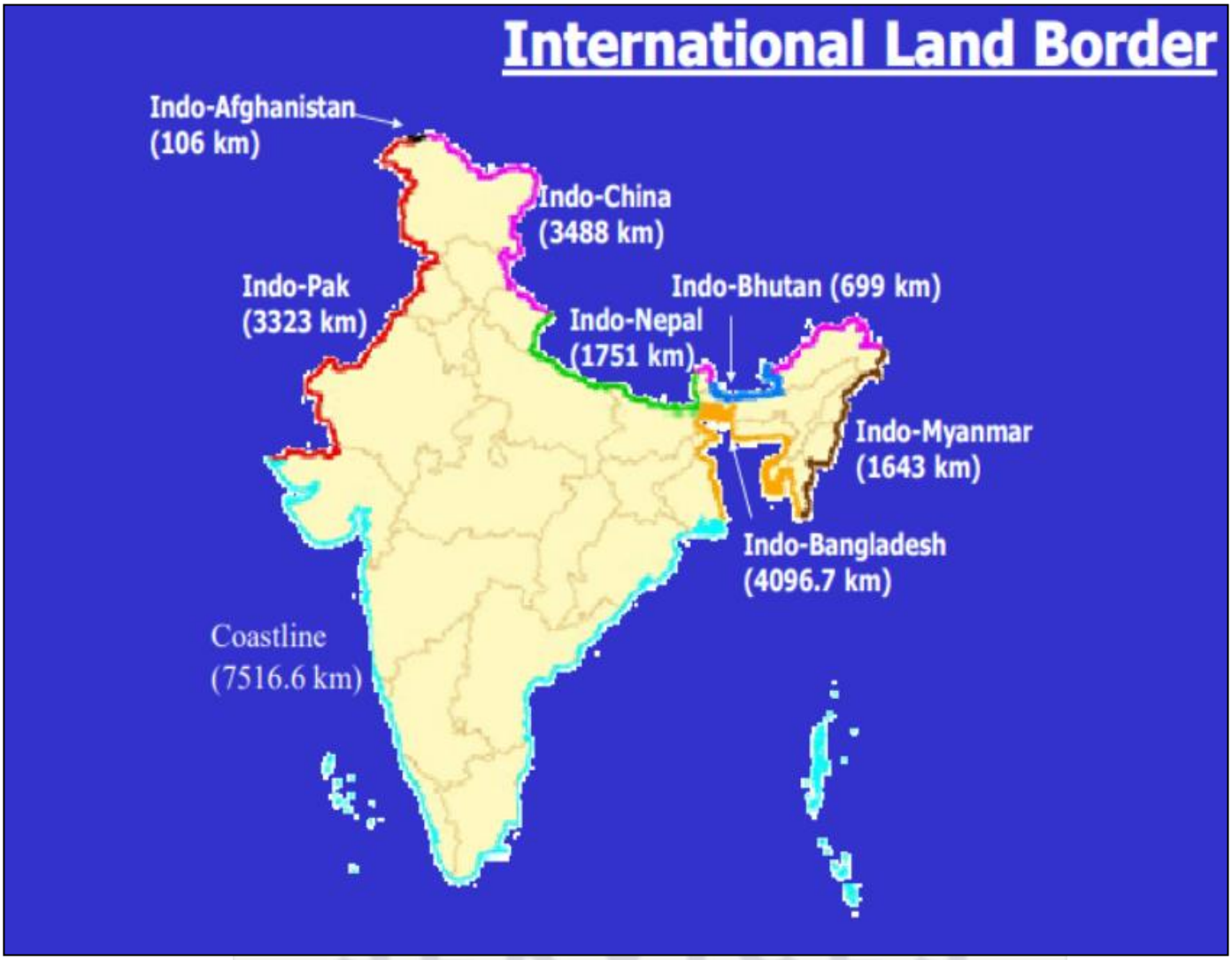

मुख्य बिन्दु:

- **आयोजन :** 24 अक्टूबर, 2025
- **क्रम :** 63वाँ।
- ITBP (Indo-Tibetan Border Police) भारत की पाँच केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बलों (CAPFs) में से एक है।
- ITBP 3,488 किलोमीटर लंबी भारत-चीन सीमा की रक्षा करती है, जो लद्दाख से लेकर अरुणाचल प्रदेश तक फैली है।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

- **स्थापना :** 24 अक्टूबर, 1962 को भारत-चीन युद्ध के बाद की गई थी।
- **पुनर्गठित :** वर्ष 1992 में Indo-Tibetan Border Police Force Act के तहत नया स्वरूप दिया गया।
- **आदर्श वाक्य :** "शौर्य, दृढ़ता, कर्म निष्ठा" ((Valour, Determination, Devotion to Duty) ।

महत्त्वपूर्ण भागीदारी:

1. उत्तराखंड बाढ़ (2013) के दौरान बचाव अभियान।
2. ऑपरेशन देवी शक्ति (अफगानिस्तान में भारतीयों की निकासी)।
3. संयुक्त राष्ट्र शांति अभियानों में भागीदारी।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

अंतरराष्ट्रीय परिदृश्य

भारत और ब्राज़ील रणनीतिक गठबंधन योजना

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

चर्चा में क्यों?

- ब्राज़ील के राष्ट्रपति लुईज़ इनासियो लूला दा सिल्वा ने भारत के साथ रणनीतिक गठबंधन बनाने की योजना की घोषणा की है। इसका उद्देश्य दोनों देशों के बीच राजनीतिक, आर्थिक और तकनीकी सहयोग को बढ़ावा देना है।
- 15 से 17 अक्टूबर, 2025 तक ब्राज़ील के उपराष्ट्रपति और विकास, उद्योग, व्यापार एवं सेवा मंत्री गेराल्डो अल्कमिन ने भारत-ब्राज़ील रणनीतिक साझेदारी को मज़बूत करने और रक्षा, ऊर्जा, स्वास्थ्य एवं प्रौद्योगिकी में सहयोग हेतु तीन दिवसीय भारत की यात्रा सम्पन्न की।

मुख्य बिन्दु:

प्रमुख सहयोग :

1. **तकनीकी :** भारत ने ब्राज़ील को रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (DRDO) द्वारा विकसित आकाश मध्यम दूरी की वायु रक्षा मिसाइल प्रणाली की आपूर्ति का प्रस्ताव रखा और इसके सह-विकास और सह-उत्पादन पर चर्चा की।
- ब्राज़ील की एम्ब्रेयर डिफेंस एंड सिक्योरिटी और महिंद्रा समूह ने भारत सरकार (GoI) के "आत्मनिर्भर भारत" पहल के दृष्टिकोण के अनुरूप, भारतीय वायु सेना (IAF) के मध्यम परिवहन विमान (MTA) कार्यक्रम के लिए C-39 मिलेनियम विमान को बढ़ावा देने के लिए एक रणनीतिक सहयोग समझौते (SCA) पर हस्ताक्षर किए।

2. **द्विपक्षीय व्यापार :** वित्त वर्ष 2024-25 के दौरान, द्विपक्षीय वस्तु व्यापार 12.19 अरब अमेरिकी डॉलर रहा।
- अगले पाँच वर्षों (2030 तक) में द्विपक्षीय व्यापार को 20 अरब अमेरिकी डॉलर तक बढ़ाने का लक्ष्य रखा गया।

3. **अधिमान्य व्यापार समझौते (PTA) :** वर्ष 2004 में हस्ताक्षरित और वर्ष 2009 से लागू अधिमान्य व्यापार समझौते (PTA) को वर्तमान आर्थिक रुझानों और अप्रयुक्त क्षमता को प्रतिबिंबित करने के लिए अद्यतन करने पर ब्राजील और भारत सहमत हुए।

4. **भारत-ब्राज़ील व्यापार मंच :** ब्राज़ील के उपाध्यक्ष गेराल्डो अल्कमिन ने CII, FICCI और CHI द्वारा संयुक्त रूप से MEA (भारत) और विकास, उद्योग, व्यापार और सेवा मंत्रालय (ब्राज़ील) के सहयोग से आयोजित भारत-ब्राज़ील व्यापार मंच का उद्घाटन और संबोधन किया।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

80वाँ संयुक्त राष्ट्र महासभा (UNGA) सत्र, 2025

चर्चा में क्यों?

- भारत के विदेश मंत्री ने न्यूयॉर्क में संयुक्त राष्ट्र महासभा (UNGA) के 80वें सत्र को संबोधित किया तथा संयुक्त राष्ट्र सुधार की आवश्यकता तथा संयुक्त राष्ट्र सुधारों को आगे बढ़ाने में अधिक ज़िम्मेदारियाँ उठाने के लिये भारत की तत्परता पर प्रकाश डाला।

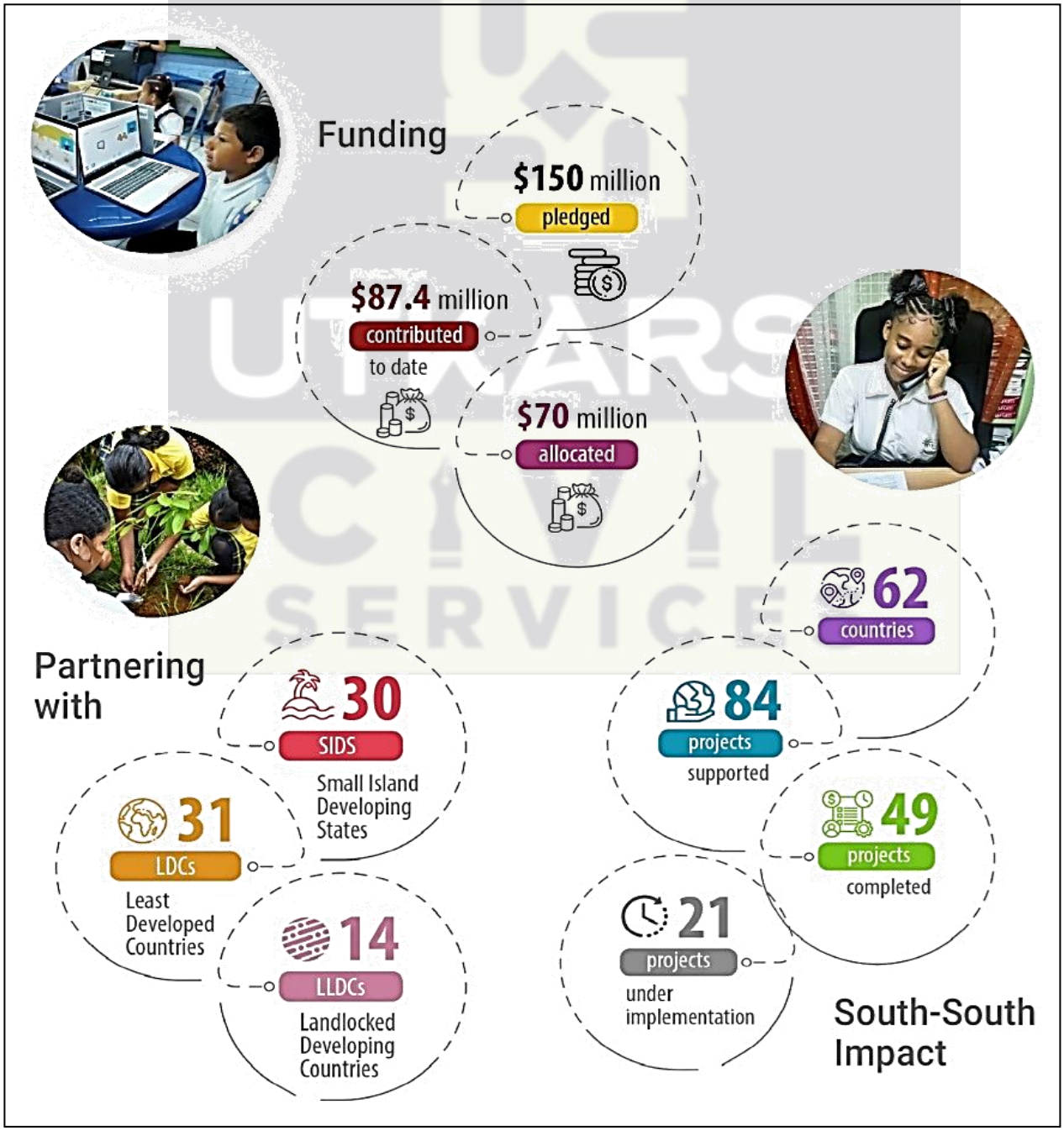

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

मुख्य बिन्दु:

भारत-संयुक्त राष्ट्र विकास साझेदारी कोष :

- वर्ष 2017 में स्थापित 150 मिलियन डॉलर के भारत-संयुक्त राष्ट्र विकास साझेदारी कोष को भारत सरकार द्वारा समर्थित और संचालित किया जाता है तथा इसे संयुक्त राष्ट्र प्रणाली के सहयोग से क्रियान्वित किया जाता है।
- यह कोष विकासशील देशों में दक्षिण-स्वामित्व वाली और दक्षिण-प्रधान, मांग-संचालित और परिवर्तनकारी सतत् विकास परियोजनाओं का समर्थन करता है, जिसका मुख्य ध्यान अल्पविकसित देशों और छोटे द्वीपीय विकासशील देशों पर है। संयुक्त राष्ट्र की एजेंसियाँ सहयोगी सरकारों के साथ घनिष्ठ सहयोग से कोष परियोजनाओं को क्रियान्वित करती हैं।

भारत-संयुक्त राष्ट्र विकास साझेदारी से संचालित परियोजनाएँ :

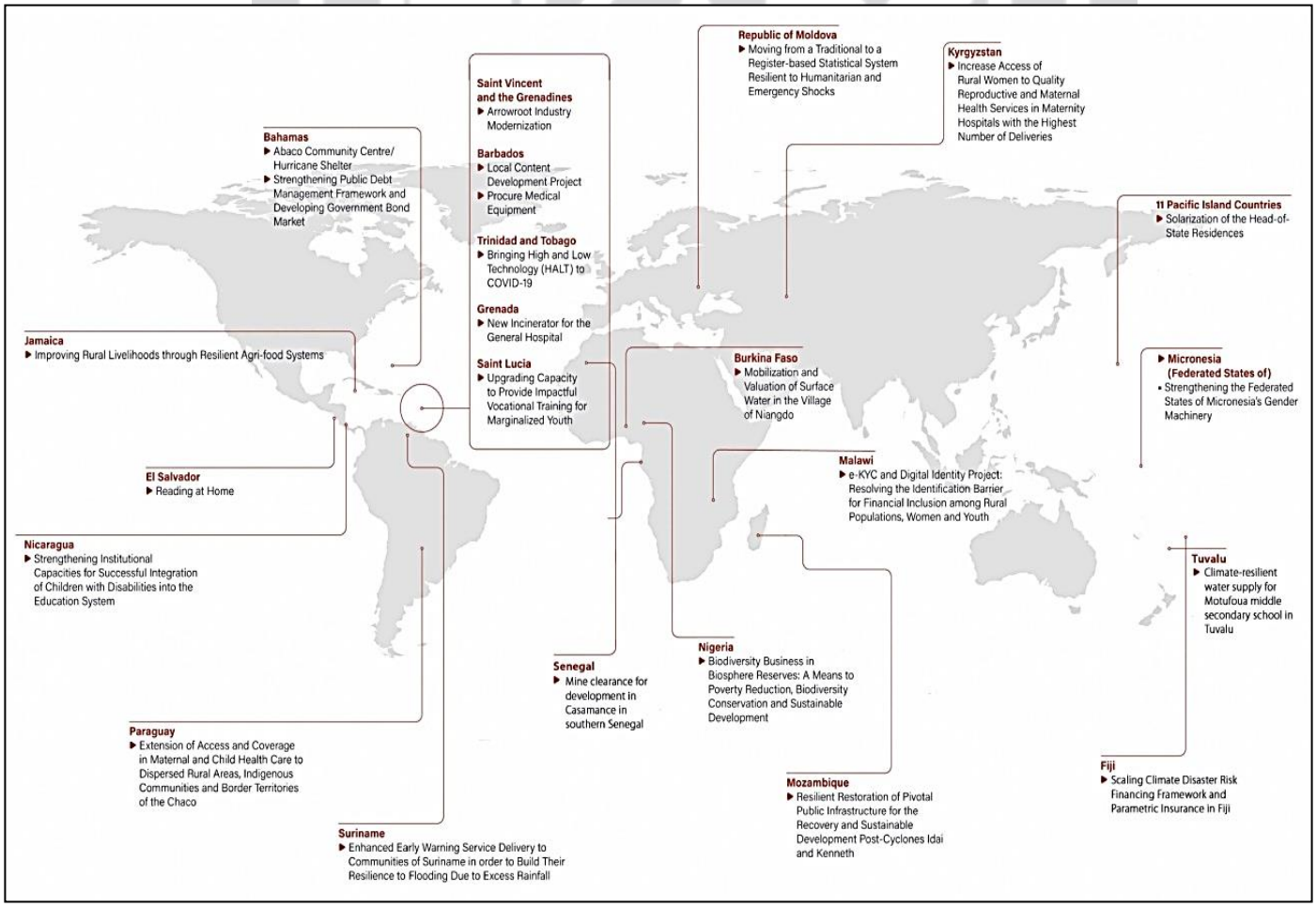

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

संयुक्त राष्ट्र में सुधारों की आवश्यकता :

1. **पुराना और अप्रत्याशित :** संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद वर्ष 1945 की भू-राजनीतिक वास्तविकताओं को प्रतिबिंबित करती है, न कि 21वीं सदी की।

- भारत, ब्राज़ील, जर्मनी और जापान जैसी उभरती शक्तियों के पास स्थायी सदस्यता का अभाव है, जबकि वैश्विक दक्षिण का प्रतिनिधित्व कम है, जिससे संयुक्त राष्ट्र की वैधता सीमित हो रही है।

2. **निर्णय में गतिरोध :** संयुक्त राष्ट्र को प्राय: संघर्षों, सीमित संसाधनों और आतंकवाद के कारण निर्णय लेने में गतिरोध का सामना करना पड़ता है।

- पाँच स्थायी सदस्यों (P5) के पास वीटो पावर होने के कारण कोई भी देश प्रस्तावों को रोक सकता है, भले ही बहुमत उनका समर्थन करता हो, जैसा कि यूक्रेन में रूस और इज़राइल से संबंधित प्रस्तावों पर अमेरिका के साथ देखा गया है।

3. **वित्तीय निर्भरता :** कुछ प्रमुख दाताओं, विशेष रूप से अमेरिका पर अधिक निर्भरता, संयुक्त राष्ट्र की नीतियों और कार्यों को प्रभावित करने के लिये लाभ पैदा करती है, जिससे निष्पक्षता एवं वैश्विक विश्वास पर असर पड़ता है।

4. **प्रशासनिक मुद्दे :** संयुक्त राष्ट्र की विशाल नौकरशाही संकटों पर प्रतिक्रिया देने में धीमी है तथा भ्रष्टाचार, निधि के दुरुपयोग और कदाचार से ग्रस्त है।

5. **संप्रभुता का क्षरण :** कुछ राष्ट्र संयुक्त राष्ट्र को संप्रभुता के लिये खतरा मानते हैं और तर्क देते हैं कि जलवायु परिवर्तन, मानवाधिकार या आव्रजन संबंधी प्रस्ताव राष्ट्रीय हितों पर भारी पड़ सकते हैं।

6. **वैश्विक और क्षेत्रीय संस्थाओं की प्रतिस्पर्द्धा :** G20, ब्रिक्स और अफ्रीकी संघ जैसे संगठनों का उदय, संयुक्त राष्ट्र को दरकिनार करते हुए, अंतरराष्ट्रीय सहयोग के लिये वैकल्पिक एवं अधिक सक्रिय मंच उपलब्ध कराता है तथा सुधार की आवश्यकता को और अधिक रेखांकित करता है।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

संयुक्त राष्ट्र सुधारों में भारत भूमिका :

1. **सुरक्षा परिषद विस्तार :** G4 समूह (भारत, ब्राज़ील, जर्मनी, जापान) के सदस्य के रूप में, भारत अफ्रीका, एशिया-प्रशांत, लैटिन अमेरिका और पश्चिमी यूरोप के लिये छह नई स्थायी सीटों के साथ संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की सदस्यता बढ़ाने का समर्थन करता है।
2. **ग्लोबल साउथ का समर्थन :** विकासशील देशों के अभिकर्त्ता के रूप में भारत सतत् विकास, जलवायु न्याय और समान आर्थिक विकास जैसे प्रमुख मुद्दों पर प्रकाश डालकर ग्लोबल साउथ के हितों को प्राथमिकता देते हुए सुधारों को आगे बढ़ा सकता है।
3. **बहुपक्षवाद को बढ़ावा देना :** महाशक्ति प्रतिस्पर्द्धा के युग में भारत तर्क और समझ का प्रतिनिधित्व कर सकता है, संघर्ष की बजाय कूटनीति को बढ़ावा देते हुए।
4. **अंतरराष्ट्रीय शांति स्थापना में योगदान :** संयुक्त राष्ट्र शांति स्थापना में अपने योगदान के कारण, भारत UN निर्णय लेने की प्रक्रिया में अपनी अधिक प्रभावशाली भागीदारी का दावा मज़बूत करता है।
5. **आतंकवाद-रोधी ढाँचे को मज़बूत करना :** आतंकवाद का प्रत्यक्ष सामना करने के बाद भारत संयुक्त राष्ट्र के आतंकवाद-रोधी ढाँचे को मज़बूत करने के प्रयासों का नेतृत्व कर सकता है, आतंकवाद पर एक व्यापक अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन का समर्थन कर सकता है और आतंकवादी समूहों को प्रायोजित या आश्रय देने वाले राज्यों के लिये जवाबदेही सुनिश्चित कर सकता है।
6. **वैश्विक नेतृत्व और सॉफ्ट पावर का प्रदर्शन :** 177 सदस्य देशों के समर्थन से अपनाई गई अंतरराष्ट्रीय योग दिवस जैसी पहल, आम सहमति बनाने और बहुपक्षीय सहयोग को बढ़ावा देने की भारत की क्षमता को सुदृढ़ करती है।
7. **अन्य :**
   - उपनिवेशवाद की समाप्ति।
   - मानवाधिकार।
   - रंगभेद विरोधी प्रयास।
   - अंतरराष्ट्रीय सहयोग।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

भारत की तालिबान नीति

चर्चा में क्यों?

- वर्ष 2021 के बाद से अफगानिस्तान के विदेश मंत्री ने नई दिल्ली का दौरा किया, जो तालिबान का सर्वोच्च स्तर का दौरा था।
- जिसके बाद भारत ने काबुल में अपने तकनीकी मिशन को पूर्ण दूतावास में अपग्रेड किया, लेकिन तालिबान सरकार को औपचारिक रूप से मान्यता नहीं दी, जिससे उसकी 'मान्यता के बिना संवाद' की नीति जारी रही।

मुख्य बिन्दु:

'मान्यता के बिना संवाद' की नीति:

- **अर्थ :** किसी सरकार को कानूनी तौर पर मान्यता देना और किसी शासन व्यवस्था के साथ वास्तविक रूप से संलग्नता अंतरराष्ट्रीय कानून द्वारा शासित अलग-अलग राजनीतिक कार्य हैं।
- **भारत :** तालिबान की कानूनी वैधता को स्वीकार नहीं करता है, किन्तु काबुल स्थित अपने दूतावास के माध्यम से कार्यात्मक राजनयिक माध्यम बनाए रखता है।
- **अन्तरराष्ट्रीय क़ानूनी आधार :** राजनयिक संबंधों पर वियना कन्वेंशन (वर्ष 1961) और कांसुलर संबंधों (वर्ष 1963) ; यह दूतावासों को मेज़बान सरकार की औपचारिक मान्यता के बिना कार्य करने की अनुमति देते हैं।

अन्य महत्त्वपूर्ण बिंदु;

भारत-अफगानिस्तान संबंधों का महत्त्व :

सुरक्षा और आतंकवाद निरोध	तालिबान द्वारा अफगानिस्तान को भारत विरोधी समूहों के ठिकाने के रूप में इस्तेमाल न होने की गारंटी, जिसमें आतंकवादी हमलों की निंदा शामिल है।
अवसंरचना विकास और पुनर्निर्माण	भारत ने अफगानिस्तान में 3 बिलियन अमेरिकी डॉलर से अधिक का निवेश किया है, जिसमें सलमा डैम, ज़रांज-डेलाराम हाइवे, काबुल का संसद भवन, अस्पताल और पावर सबस्टेशन शामिल हैं।
आर्थिक सहभागिता	अफगानिस्तान की खनिज संपदा, भारत के लिये खनन और व्यापार में महत्त्वपूर्ण अवसर प्रस्तुत करती है।
संपर्क और क्षेत्रीय व्यापार	भारत तुर्कमेनिस्तान-अफगानिस्तान-पाकिस्तान-भारत (TAPI) गैस पाइपलाइन और चाबहार बंदरगाह (ईरान-अफगानिस्तान-भारत गलियारा) जैसी प्रमुख संपर्क परियोजनाएं।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

पर्यावरण एवं पारिस्थितिकी

सुंदरबन के SAIME मॉडल को FAO द्वारा वैश्विक मान्यता

चर्चा में क्यों?

- सुंदरबन (पश्चिम बंगाल) के सस्टेनेबल एक्वाकल्चर इन मैंग्रोव इकोसिस्टम्स (SAIME) मॉडल को संयुक्त राष्ट्र के खाद्य एवं कृषि संगठन (FAO) द्वारा वैश्विक तकनीकी मान्यता प्रदान की गई है।

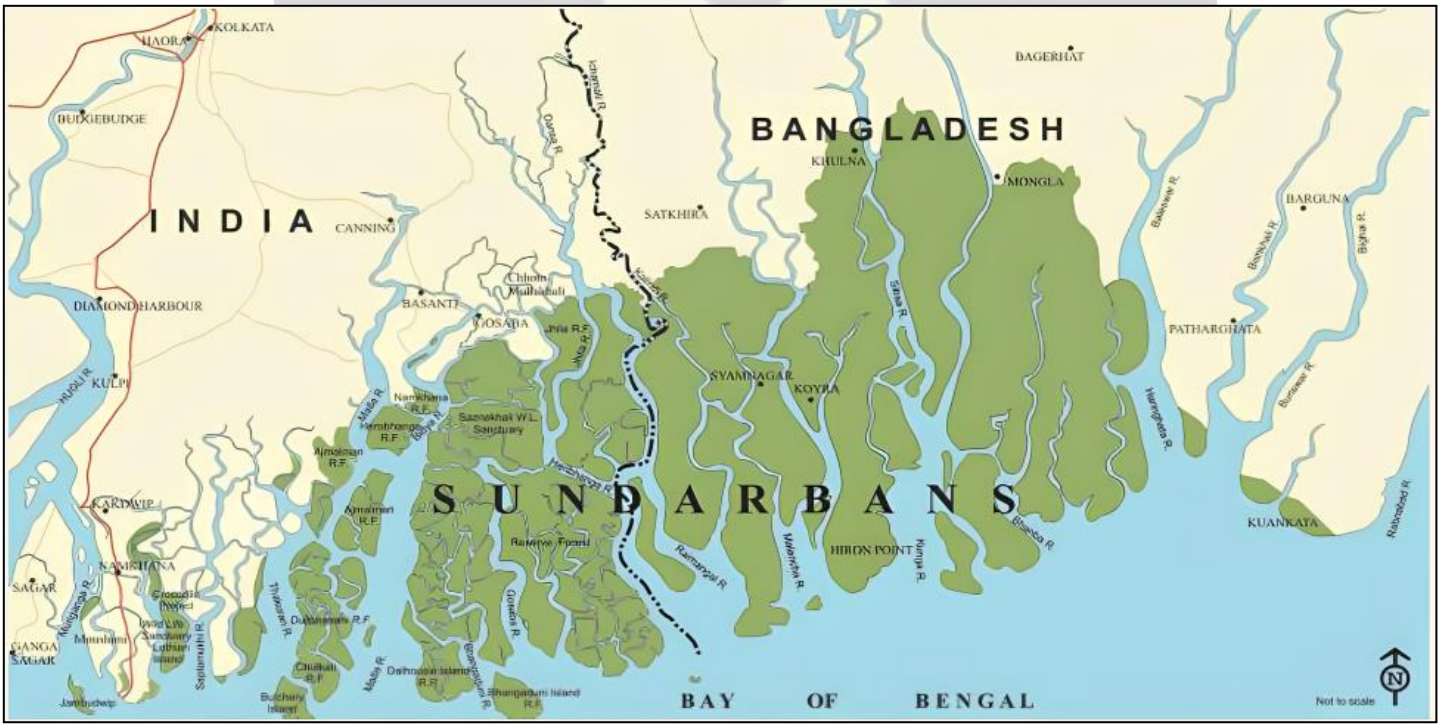

मुख्य बिन्दु:

SAIME मॉडल:

- यह पश्चिम बंगाल के सुंदरबन में एक समुदाय-आधारित पहल है।
- **विकास :** नेचर एनवायरनमेंट एंड वाइल्डलाइफ सोसाइटी (NEWS) द्वारा।
- **उद्देश्य :** मैंग्रोव संरक्षण और जलीय कृषि आधारित आजीविका के बीच संतुलन स्थापित करना।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

- **मॉडल :** इस मॉडल के अंतर्गत 5-30 प्रतिशत जलीय कृषि तालाब क्षेत्रों को मैंग्रोव आवरण के तहत रखा जाता है, जो पारिस्थितिकी तंत्र की रक्षा करते हुए मछली और झींगा पालन का समर्थन करता है।
  - किसान मैंग्रोव लिटर को ब्लैक टाइगर श्रिम्प के लिये प्राकृतिक चारे के रूप में उपयोग करते हैं, जो इस क्षेत्र में पारंपरिक रूप से उगाई जाने वाली उच्च-मूल्य वाली प्रजाति है, जिससे रासायनिक इनपुट पर निर्भरता कम होती है।
- **महत्त्व :** यह दृष्टिकोण जलवायु-अनुकूल जलीय कृषि को बढ़ावा देता है, जिससे किसानों के वार्षिक निवल लाभ को दोगुना कर दिया हैं और समुद्री स्तर में वृद्धि एवं तटीय कटाव के खिलाफ तटीय अनुकूलन मज़बूत किया हैं, तथा कार्बन सिंक के रूप में कार्य करता हैं।

अन्य महत्त्वपूर्ण बिंदु:

सुंदरबन

- **भौगोलिक अवस्थिति :** गंगा, ब्रह्मपुत्र और मेघना नदियों के डेल्टा में बंगाल की खाड़ी के किनारे (भारत और बांग्लादेश)।
- **जलवायु :** उष्णकटिबंधीय एवं उप-उष्णकटिबंधीय।
- **सुंदरबन की प्रमुख वनस्पतियां :** एक्सोकेरिया एगैलोचा (गेवा), सेरियोप्स डेकांड्रा (गोरान), सोनेराटिया एपेटाला (केओरा) और हेरिटिएरा फोमेस (सुंदरी)।
- **सुंदरबन के प्रमुख जीव-जंतु:** बंगाल टाइगर, गंगेटिक और इर्रवाडी डॉल्फ़िन, एस्टुएरीन मगरमच्छ और ऑलिव रिडली कछुए।
- **विशेषता :** विश्व के सबसे बड़े मैंग्रोव वन का क्षेत्र तथा भूमि और समुद्र के मध्य द्वीपों का एक मोज़ेक शामिल है जो लगातार ज्वारीय जल द्वारा आकारित होते हैं।
- सुंदरबन को भारत में वर्ष 1987 और बांग्लादेश में वर्ष 1997 में UNESCO विश्व धरोहर स्थल के रूप में नामित किया गया।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

- सुंदरबन वेटलैंड (भारत) को वर्ष 2019 में रामसर कन्वेंशन के तहत अंतरराष्ट्रीय महत्त्व वाला वेटलैंड घोषित किया गया।
- भारत-बांग्लादेश समझौता ज्ञापन (वर्ष 2011) पर हस्ताक्षर के तहत सुंदरबन का साझा पारिस्थितिकी तंत्र और संयुक्त संरक्षण और निगरानी।

नोट : भारत में मैंग्रोव का क्षेत्र :

- पश्चिम बंगाल (42.45 प्रतिशत) > गुजरात (23.66 प्रतिशत) > अंडमान एवं निकोबार द्वीप समूह (12.39 प्रतिशत) ।
- भारत वन स्थिति रिपोर्ट (ISFR)-2023 के अनुसार भारत का कुल मैंग्रोव आवरण 4,991.68 वर्ग किमी है, जो देश के कुल भौगोलिक क्षेत्र का 0.15 प्रतिशत है।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

विज्ञान प्रौद्योगिकी

राष्ट्रीय महत्वपूर्ण खनिज मिशन : उत्कृष्टता केंद्र

चर्चा में क्यों?

- 25 अक्टूबर, 2025 को खान मंत्रालय ने पहले से मान्यता प्राप्त 7 संस्थानों के अलावा, दो और संस्थानों, भारतीय विज्ञान संस्थान IISC, बैंगलोर और सेंटर फॉर मैटेरियल्स फॉर इलेक्ट्रॉनिक्स टेक्नोलॉजी (C-मेट), हैदराबाद को राष्ट्रीय महत्वपूर्ण खनिज मिशन (NCMM) के अंतर्गत उत्कृष्टता केंद्र (CoE) के रूप में मान्यता दी।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

मुख्य बिन्दु:

- यह निर्णय परियोजना अनुमोदन एवं सलाहकार समिति (PAAC) द्वारा 24 अक्टूबर, 2025 को खान मंत्रालय की बैठक में दी गई मंजूरी के बाद लिया गया।
- प्रत्येक उत्कृष्टता केंद्र (CoE) हब और स्पोक मॉडल पर एक संघ के रूप में कार्य करेगा, ताकि महत्वपूर्ण खनिजों में अनुसंधान एवं विकास को बढ़ावा दिया जा सके और प्रत्येक घटक की मुख्य क्षमताओं को एक मंच के नीचे लाया जा सके।
- 9 मान्यता प्राप्त उत्कृष्टता केंद्रों ने मिलकर लगभग 90 उद्योग और शैक्षणिक/R&D प्रवक्ताओं को शामिल किया है।

राष्ट्रीय महत्वपूर्ण खनिज मिशन (NCMM) :

- **घोषणा :** वित्त मंत्री ने 23 जुलाई, 2024 को 2024-25 के केन्द्रीय बजट में क्रिटिकल मिनरल मिशन की स्थापना की घोषणा की थी।
- **अवधि :** 2024-25 से 2030-31 तक (सात वर्ष)
- **उद्देश्य :** आत्मनिर्भर भारत दृष्टिकोण के अनुरूप महत्वपूर्ण खनिजों के आयात पर भारत की निर्भरता को कम करना और उच्च तकनीक उद्योगों, स्वच्छ ऊर्जा और राष्ट्रीय रक्षा के लिए आत्मनिर्भरता सुनिश्चित करना।
- **चरण :** यह मिशन खनिज अन्वेषण, खनन, लाभकारीकरण, प्रसंस्करण और जीवन-अंत उत्पादों से पुनर्प्राप्ति सहित सभी चरणों को कवर करता हैं।

राजस्थान के सन्दर्भ में विशेष जानकारी :

- 2024-25 के फील्ड सीजन में, GSI ने राजस्थान में 35 सहित 195 परियोजनाएं शुरू की हैं, जो महत्वपूर्ण खनिज भंडारों की पहचान और उनके आकलन पर केंद्रित हैं।
- 2021-22 और 2022-23 में, GSI ने राजस्थान के सिरोही और भीलवाड़ा जिलों में नियोडिमियम सहित दुर्लभ पृथ्वी तत्वों (REE) के लिए सर्वेक्षण किया था।
- परमाणु ऊर्जा विभाग ने राजस्थान के बालोतरा में करीब 1,11,845 टन इन-सीटू दुर्लभ पृथ्वी तत्व ऑक्साइड (REO) की खोज की।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

महत्वपूर्ण खनिजों का उपयोग :

क्षेत्र	उपक्षेत्र	उपयोग	विशेष विवरण
हरित ऊर्जा संक्रमण	सौर ऊर्जा	सिलिकॉन, टेल्यूरियम, इंडियम और गैलियम जैसे महत्वपूर्ण खनिज, सौर पैनलों में इस्तेमाल होने वाले फोटोवोल्टिक (PV) सेल्स के उत्पादन में।	भारत की वर्तमान सौर क्षमता 64 गीगावॉट इन खनिजों पर बहुत अधिक निर्भर है।
	पवन ऊर्जा	डिस्प्रोसियम और नियोडिमियम का प्रयोग पवन टर्बाइनों के लिए स्थायी चुम्बकों में किया जाता है।	भारत का लक्ष्य वर्ष 2030 तक अपनी पवन ऊर्जा क्षमता को 42 गीगावॉट से बढ़ाकर 140 गीगावॉट करना है।
	इलेक्ट्रिक वाहन (EV)	लिथियम, निकेल और कोबाल्ट, लिथियम-आयन बैटरी में उपयोग की जाने वाली प्रमुख सामग्री हैं।	राष्ट्रीय इलेक्ट्रिक मोबिलिटी मिशन योजना (NEMMP)
	ऊर्जा भंडारण और हाइड्रोजन ईंधन	लिथियम-आयन बैटरियां लिथियम, कोबाल्ट और निकेल	-
इलेक्ट्रॉनिक्स और दूरसंचार		अर्धचालक, फाइबर ऑप्टिक्स और सर्किट बोर्ड में उपयोगी	-
रक्षा एवं एयरोस्पेस		मिसाइल मार्गदर्शन प्रणालियों, विमान और उपग्रह प्रौद्योगिकियों में आवश्यक।	-
चिकित्सा उपकरण		चुंबकीय अनुनाद इमेजिंग (MRI) मशीनों, पेसमेकर और अन्य उन्नत स्वास्थ्य देखभाल प्रौद्योगिकियों में प्रमुख घटक ।	-

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

- **आयात पर भारत की निर्भरता :** भारत छह महत्वपूर्ण खनिजों (बिस्मथ, लिथियम, सिलिकॉन, टाइटेनियम, टेल्यूरियम और ग्रेफाइट) के लिए चीन पर अधिक निर्भर है, जो आपूर्ति में व्यवधान के प्रति इसकी संवेदनशीलता को दर्शाता है।
- **वैश्विक संदर्भ :** चीन लिथियम, कोबाल्ट और दुर्लभ पृथ्वी जैसे महत्वपूर्ण खनिजों की वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला पर हावी है, तथा इनमें से 60 प्रतिशत से अधिक खनिजों का शोधन करता है।
- **महत्त्व:** भारत का लक्ष्य वर्ष 2030 तक अपने सकल घरेलू उत्पाद की उत्सर्जन तीव्रता को 45 प्रतिशत तक कम करना (वर्ष 2005 के स्तर से), वर्ष 2030 तक गैर-जीवाश्म स्रोतों से अपनी बिजली क्षमता का 50 प्रतिशत हासिल करना और वर्ष 2070 तक शुद्ध-शून्य उत्सर्जन तक पहुँचना है।

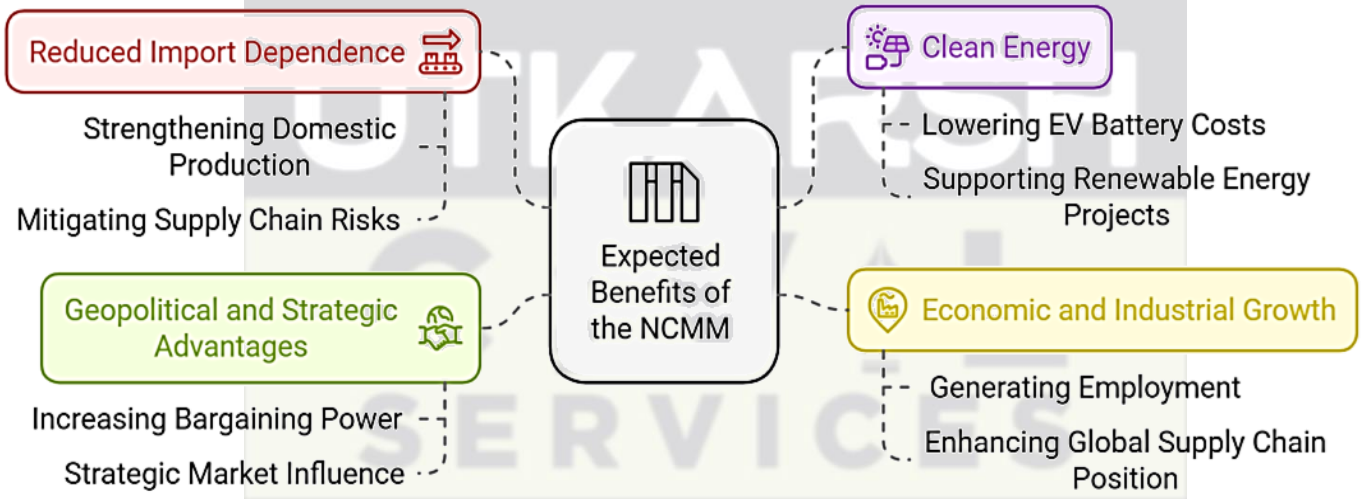

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

दीपावली उत्सव : INS विक्रांत

चर्चा में क्यों?

- प्रधानमंत्री ने 19 से 20 अक्टूबर 2025 तक अपने भ्रमण के इस विशेष अवसर के दौरान, INS विक्रांत पर रात्रिकालीन समुद्री उड़ान गतिविधि में भाग लिया
- भारत के माननीय प्रधानमंत्री ने वर्ष 2025 की दीपावली भारतीय नौसेना के गौरव, स्वदेशी विमानवाहक पोत INS विक्रांत पर मनाई।

मुख्य बिन्दु:

इतिहास और विकास :

- **नामकरण :** भारत के पहले विमानवाहक पोत INS विक्रांत (R11) के सम्मान में रखा गया है, जिसे वर्ष 1997 में सेवामुक्त किया गया था।
- **औपचारिक निर्माण की शुरुआत :** फरवरी, 2009 में कोचीन शिपयार्ड लिमिटेड में प्रारंभ हुआ।
- **जलावतरण :** अगस्त, 2013 में जलावतरित।
- **पहला समुद्री परीक्षण :** अगस्त, 2021
- **डिजाइन :** भारतीय नौसेना के आंतरिक युद्धपोत डिजाइन ब्यूरो (WDB) द्वारा संकल्पित और तैयार किया गया।
- **कमीशनिंग :** 2 सितंबर, 2022 को कोच्चि में कमीशन किया गया, भारत स्वदेशी रूप से विमानवाहक पोतों का डिजाइन और निर्माण करने में सक्षम देशों में शामिल हो गया।
- **स्वदेशी सामग्री :** जहाज का 76 प्रतिशत हिस्सा स्वदेश में निर्मित है, जिसमें स्टील अथॉरिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड (सेल) द्वारा आपूर्ति किया गया विशेष इस्पात भी शामिल है।
- **रोजगार सृजन :** कोचीन शिपयार्ड लिमिटेड में लगभग 2,000 प्रत्यक्ष तथा 12,500 अप्रत्यक्ष रोजगार के अवसर सृजित हुए।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

क्षमताएं और विशिष्टताएं :

1. यह विमान वाहक पोत 262.5 मीटर लंबा और 61.6 मीटर चौड़ा है, जिसका भार विस्थापन लगभग 45,000 टन है।
2. यह चार गैस टर्बाइनों द्वारा संचालित है, जो मिलकर लगभग 88 मेगावाट बिजली उत्पन्न करते हैं।
3. **अधिकतम गति :** 28 समुद्री मील।
4. इस पोत में महिला अधिकारियों और नाविकों सहित लगभग 1,600 कर्मी रह सकते हैं और इसमें लगभग 2,200 कम्पार्टमेंट्स हैं।
5. यह शॉर्ट टेक-ऑफ बट अरेस्टेड रिकवरी (स्टोबार) प्रणाली पर काम करता है, जो विमान को स्की-जंप का उपयोग करके उड़ान भरने और अरेस्टर तारों की मदद से उतरने की सुविधा प्रदान है।
6. INS विक्रांत, मिग-29K, कामोव-31, MH-60R, मिग-29 KUB, चेतक और ALH ध्रुव जैसे विमानों सहित लगभग 30 विमानों का संचालन करने में सक्षम है।
7. यह जहाज इतना शक्तिशाली है कि लगभग 5,000 घरों के लिए पर्याप्त विद्युत उत्पादन करने में सक्षम है।

तकनीकी और परिचालन क्षमताएं :

1. **वरुण 2025 अभ्यास :** INS विक्रांत ने मार्च, 2025 में कैरियर स्ट्राइक ग्रुप चार्ल्स डी गॉल के साथ वरुण 25 (भारत-फ्रांसीसी नौसेना द्विपक्षीय अभ्यास) में भाग लिया।
2. **युद्ध क्षेत्र स्तरीय परिचालन तत्परता अभ्यास (ट्रोपेक्स 2025) :** हिंद महासागर क्षेत्र में भारत के सबसे बड़े द्विवार्षिक अभ्यास में भाग लिया।
3. **कोंकण अभ्यास 2025 :** मुंबई के तट पर ब्रिटेन की रॉयल नेवी के साथ एक द्विपक्षीय अभ्यास किया, जिसमें वायु, सतह और उप-सतह सैन्य संचालन शामिल थे।
4. **ऑपरेशन सिंदूर :** ऑपरेशन सिंदूर के दौरान विक्रांत वाहक जहाज भारतीय नौसेना की आक्रामक निवारक स्थिति के केंद्र में था। उत्तरी अरब सागर में तैनात विक्रांत ने विशिष्ट रणनीति में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

महत्त्वपूर्ण सूचकांक एवं रिपोर्ट

ग्लोबल हंगर इंडेक्स, 2025

चर्चा में क्यों?

- हाल ही में, 2025 की ग्लोबल हंगर इंडेक्स (GHI) रिपोर्ट "20 इयर्स ऑफ ट्रैकिंग प्रोग्रेस: टाइम टू रिकमिट टू जीरो हंगर" शीर्षक के साथ जारी की गई।

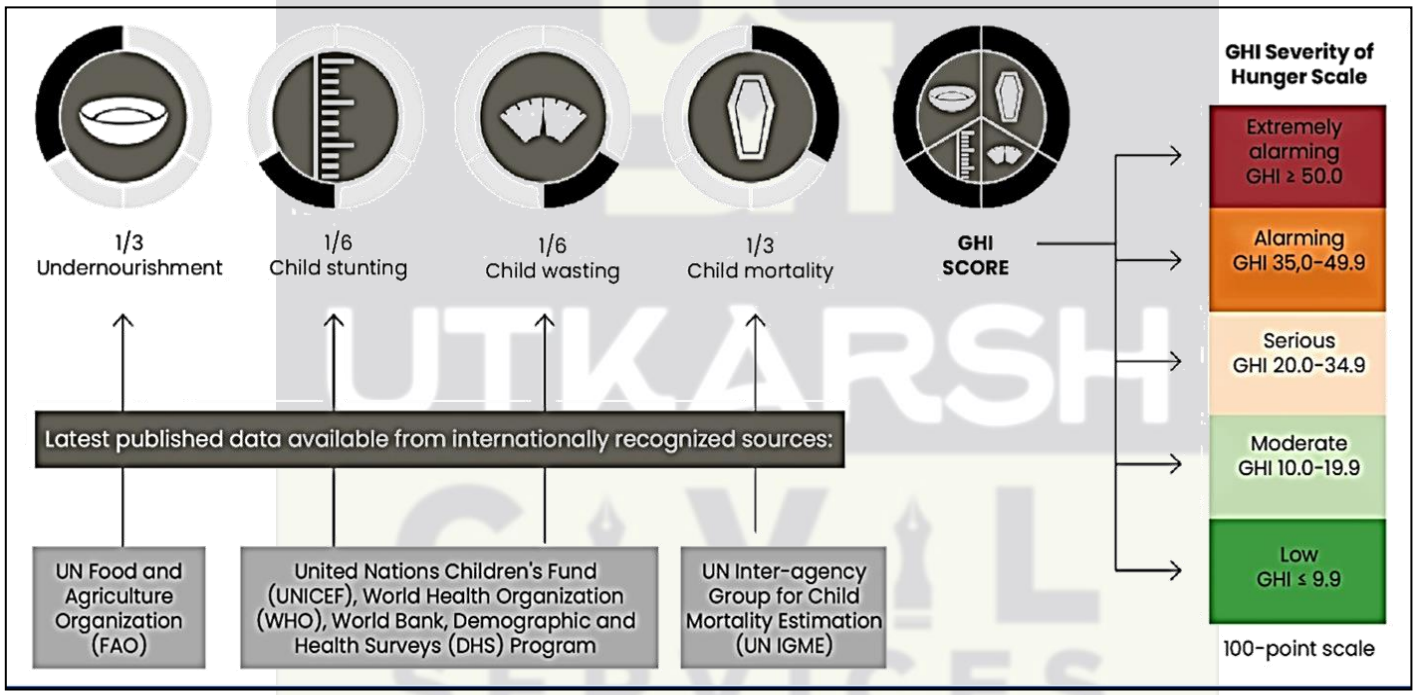

मुख्य बिन्दु:

- **वर्ष 2025 का संस्करण :** 20वाँ
- **आकलन :** यह वर्ष 2030 तक शून्य भुखमरी के संयुक्त राष्ट्र के सतत् विकास लक्ष्य को प्राप्त करने की दिशा में वैश्विक प्रगति का एक कठोर आकलन प्रस्तुत करती है।
- **जारीकर्त्ता/ प्रकाशक :** आयरिश मानवतावादी संगठन कंसर्न वर्ल्डवाइड, जर्मन सहायता एजेंसी वेल्टहंगरहिल्फ़ और इंस्टीट्यूट फॉर इंटरनेशनल लॉ ऑफ पीस एंड आर्म्ड कॉन्फ्लिक्ट (IFHV) द्वारा।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

संकेतक : बहुआयामी प्रकृति के चार संकेतक शामिल हैं;

1. **अल्पपोषण (Undernourishment):** जनसंख्या का वह हिस्सा जिसका कैलोरी सेवन अपर्याप्त है।
2. **चाइल्ड स्टंटिंग (Child stunting):** पाँच वर्ष से कम उम्र के बच्चों का वह हिस्सा जिनकी उम्र के हिसाब से ऊँचाई कम है।
3. **चाइल्ड वेस्टिंग (Child wasting):** पाँच वर्ष से कम उम्र के बच्चों का वह हिस्सा जिनका ऊँचाई के हिसाब से वजन कम है।
4. **शिशु मृत्यु दर (Child mortality):** उन बच्चों का हिस्सा जो अपने पाँचवें जन्मदिन से पहले मर जाते हैं।

रिपोर्ट के मुख्य बिंदु:

- वर्तमान गति से, कम से कम 56 देश वर्ष 2030 तक कम भुखमरी (Low Hunger) के स्तर तक नहीं पहुँच पाएँगे।
- 42 देशों में भुखमरी को 'गंभीर' (Serious) या 'खतरनाक' (Alarming) के रूप में वर्गीकृत किया गया है।
- **विश्व स्तर पर सबसे अधिक भूखमरी का स्तर :** दक्षिण एशिया और सहारा के दक्षिण में अफ्रीका के छह देश – डेमोक्रेटिक रिपब्लिक ऑफ कांगो, लाइबेरिया, मेडागास्कर, केन्या, सोमालिया और जाम्बिया शामिल हैं।
- दुनिया में सबसे कम भूखमरी के स्तर वाले क्षेत्र : यूरोप और मध्य एशिया।

रिपोर्ट का भारत के सन्दर्भ में आंकलन :

- भारत का GHI स्कोर (2025) 25.8 है, जिसे गंभीर (Serious) वर्गीकृत किया गया है, जो 123 देशों में से 102वें स्थान पर है।
- **बाल दुर्बलता (Child Wasting) :** 18.7 प्रतिशत पर गंभीर बनी हुई है, जो विश्व स्तर पर दूसरा सबसे अधिक है।
- **बाल ठिगनापन (Child Stunting) :** 32.9 प्रतिशत है, जो 21वाँ सबसे अधिक है ।
- अल्पपोषण (Undernourishment) से 12 प्रतिशत जनसंख्या प्रभावित है।
- पाँच वर्ष से कम उम्र के बच्चों की मृत्यु दर (Under-Five Mortality) में उल्लेखनीय सुधार होकर 2.8 प्रतिशत हो गया है, जो बाल उत्तरजीविता में स्थिर प्रगति को दर्शाता है।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

सैन्य अभ्यास

JAIMEX-25 समुद्री अभ्यास

चर्चा में क्यों?

- 16 से 18 अक्तूबर, 2025 तक भारतीय नौसेना पोत (INS) सह्याद्रि और एक स्वदेश निर्मित शिवालिक श्रेणी निर्देशित मिसाइल स्टील्थ फ्रिगेट ने JAIMEX-25 (जापान-भारत समुद्री अभ्यास) के सी फेज में भाग लिया।

- साथ ही भारतीय नौसेना पोत (INS) सह्याद्रि ने 21 अक्तूबर, 2025 को जापान के योकोसुका में बंदरगाह फेस में भाग लिया।

मुख्य बिन्दु:

- **शुरुआत :** भारत और जापान के बीच वर्ष 2014 में स्थापित 'विशेष रणनीतिक और वैश्विक साझेदारी' को सुदृढ़ करता है।
- **आयोजन :** 16 से 18 अक्तूबर, 2025 तक क्यूशू के पश्चिम में आयोजित किया गया था।
- **शामिल जापानी जहाज :** JS असाही, JS ओमी, एक पनडुब्बी, 2nd आर्टिलरी ब्रिगेड (जापान ग्राउंड सेल्फ डिफेंस फोर्स - JGSDF), और वेस्टर्न एयरक्राफ्ट कंट्रोल एंड वार्निंग विंग (जापान एयर सेल्फ डिफेंस फोर्स - JASDF) शामिल थे।
- **अभ्यास का उद्देश्य :** भारतीय नौसेना, जापान मैरीटाइम सेल्फ डिफेंस फोर्स (JMSDF), JGSDF और JASDF के बीच सामरिक क्षमताओं, अंतरसंचालनीयता और बहुस्तरीय रक्षा सहयोग को बढ़ाना था।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

चरण :

1. **समुद्री चरण :** INS सह्याद्रि, JMSDF के जहाज़ असाही (Asahi), ओमी (Oumi) और पनडुब्बी जिनरयू (Jinryu) ने उन्नत पनडुब्बी रोधी युद्ध अभ्यास, मिसाइल रक्षा अभ्यास, उड़ान संचालन और अंतर्संचालनीयता बढ़ाने के लिये चल रहे रिप्लिनिशमेंट का आयोजन किया।
2. **बंदरगाह चरण :** योकोसुका के बंदरगाह चरण में व्यावसायिक और सांस्कृतिक आदान-प्रदान पर ध्यान केंद्रित किया गया, जैसे कि क्रॉस-डेक चरण, परिचालन योजना, सर्वोत्तम प्रथाओं को साझा करना।

- **भारत और जापान के मध्य आयोजित अन्य अभ्यास :** मालाबार अभ्यास (नौसेना अभ्यास), 'वीर गार्जियन' (वायु सेना) और धर्म गार्जियन (थल सेना)।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

पुरस्कार

राष्ट्रीय विज्ञान पुरस्कार, 2025

चर्चा में क्यों?

- 26 अक्टूबर, 2025 को विज्ञान, प्रौद्योगिकी और प्रौद्योगिकी-आधारित नवाचार के विभिन्न क्षेत्रों में वैज्ञानिकों, प्रौद्योगिकीविदों और नवप्रवर्तकों के उत्कृष्ट और प्रेरणादायक योगदान के लिए देश का सर्वोच्च सम्मान, राष्ट्रीय विज्ञान पुरस्कार 2025 घोषित किया गया।

मुख्य बिन्दु:

- **उद्देश्य :** अगली पीढ़ी को प्रेरित करना, अनुसंधान पारिस्थितिकी तंत्र को मजबूत करना और विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी नवाचार में वैश्विक अग्रणी के रूप में भारत की यात्रा को गति प्रदान करना।
- **क्षेत्र :** पुरस्कार 13 क्षेत्रों में प्रदान किए जाते हैं: भौतिकी, रसायन विज्ञान, जैविक विज्ञान, गणित एवं कंप्यूटर विज्ञान, पृथ्वी विज्ञान, चिकित्सा, अभियांत्रिकी विज्ञान, कृषि विज्ञान, पर्यावरण विज्ञान, प्रौद्योगिकी एवं नवाचार, परमाणु ऊर्जा, अंतरिक्ष विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी, तथा अन्य संबद्ध क्षेत्र।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

चार श्रेणियों में प्रदान किया जाता है:

श्रेणियां	विवरण	वर्ष 2025 के प्राप्तकर्त्ता/विजेता
विज्ञान रत्न(VR) पुरस्कार	विज्ञान और प्रौद्योगिकी के किसी भी क्षेत्र में की गई आजीवन उपलब्धियों और योगदान को मान्यता प्रदान करता हैं।	प्रो. जयंत विष्णु नार्लीकर (भौतिकी)-मरणोपरांत
विज्ञान श्री(VS) पुरस्कार	विज्ञान और प्रौद्योगिकी के किसी भी क्षेत्र में विशिष्ट योगदान को मान्यता प्रदान करता हैं।	डॉ. ज्ञानेन्द्र प्रताप सिंह (कृषि विज्ञान), डॉ. यूसुफ मोहम्मद शेख (परमाणु ऊर्जा), डॉ. के थंगराज (जैविक विज्ञान), प्रो. प्रदीप थलप्पिल (रसायन विज्ञान), प्रो. अनिरुद्ध भालचंद्र पंडित (इंजीनियरिंग विज्ञान), डॉ. एस वेंकट मोहन (पर्यावरण विज्ञान), प्रो. महान एमजे (गणित और कंप्यूटर विज्ञान), जयन एन (अंतरिक्ष विज्ञान और प्रौद्योगिकी)
विज्ञान युवा-शांति स्वरूप भटनागर (VY-SSB) पुरस्कार	45 वर्ष तक की आयु के युवा वैज्ञानिकों को मान्यता देगा और प्रोत्साहित करता हैं।	डॉ. जगदीस गुप्ता कपुगंती (कृषि विज्ञान), डॉ. सतेन्द्र कुमार मंगरौठिया (कृषि विज्ञान), देबार्का सेनगुप्ता (जैविक विज्ञान), डॉ. दीपा अगाशे (जैविक विज्ञान), डॉ. दिब्येंदु दास (रसायन विज्ञान), डॉ. वलीउर रहमान (पृथ्वी विज्ञान), प्रो. अर्कप्रवा बसु (इंजीनियरिंग विज्ञान), प्रो. सब्यसाची मुखर्जी (गणित और कंप्यूटर विज्ञान),

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

		प्रो. श्वेता प्रेम अग्रवाल (गणित और कंप्यूटर विज्ञान), डॉ. सुरेश कुमार (चिकित्सा), प्रो. अमित कुमार अग्रवाल (भौतिकी), प्रो. सुरहुद श्रीकांत मोरे (भौतिकी), अंकुर गर्ग (अंतरिक्ष विज्ञान और प्रौद्योगिकी), प्रो. मोहनशंकर शिवप्रकाशम (प्रौद्योगिकी एवं नवाचार)
विज्ञान टीम (VT) पुरस्कार	तीन या अधिक वैज्ञानिकों /शोधकर्ताओं /नवप्रवर्तकों की टीम को प्रदान किया जाता हैं जिन्होंने विज्ञान और प्रौद्योगिकी के किसी भी क्षेत्र में एक टीम के रूप में काम करते हुए असाधारण योगदान दिया हो।	टीम- अरोमा मिशन CSIR (कृषि विज्ञान)

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

महत्त्वपूर्ण दिवस

विश्व सांख्यिकी दिवस, 2025 : 20 अक्टूबर

मुख्य बिन्दु:

दिवस	विश्व सांख्यिकी दिवस	राष्ट्रीय सांख्यिकी दिवस
तिथि	20 अक्टूबर, 2025	29 जून, 2025
क्रम	चौथा	19वां
उद्देश्य	राष्ट्रीय विकास के लिए सामाजिक-आर्थिक नियोजन और नीति निर्माण में खासकर युवा पीढ़ी के बीच सांख्यिकी के महत्व के बारे में जन जागरूकता पैदा करना।	
शुरुआत	20 अक्टूबर, 2010	वर्ष 2007
वर्ष 2025 की थीम	"सभी के लिए गुणवत्तापूर्ण आंकड़े और डेटा"	"राष्ट्रीय नमूना सर्वेक्षण के 75 वर्ष"

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

अन्य बिंदु	यह दिवस प्रत्येक पांच वर्ष में एक बार मनाया जाता है। इसे संयुक्त राष्ट्र सांख्यिकी आयोग के मार्गदर्शन में मनाया जाता है। **महत्त्व :** संयुक्त राष्ट्र संघ की आयोग ने वर्ष 2010 में 20 अक्टूबर को विश्व सांख्यिकी दिवस के रूप में मनाने का प्रस्ताव रखा था। **संयुक्त राष्ट्र सांख्यिकी आयोग :** वैश्विक सांख्यिकीय प्रणाली का सर्वोच्च निकाय है। संयुक्त राष्ट्र सांख्यिकी आयोग की स्थापना वर्ष 1947 में तथा इसका मुख्यालय न्यूयॉर्क में है।	सांख्यिकी एवं कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय (एमओएसपीआई) 29 जून 2025 को डॉ. अंबेडकर अंतरराष्ट्रीय केंद्र, नई दिल्ली में राष्ट्रीय नमूना सर्वेक्षण के 75 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में मंत्रालय एक स्मारक सिक्का और कस्टमाइज्ड माई स्टैम्प जारी किया। **इस अवसर पर जारी सांख्यिकीय प्रकाशन :** सतत् विकास लक्ष्य - राष्ट्रीय संकेतक रूपरेखा प्रगति रिपोर्ट 2025 (सस्टेनेबल डेवलपमेंट गोल्स-नेशनल इंडिकेटर फ्रेमवर्क प्रोग्रेस रिपोर्ट 2025) और भारत में पोषण सेवन (न्यूट्रिशनल इनटेक इन इंडिया) 2022-23 और 2023-24 **महत्त्व :** प्रो. प्रशांत चंद्र महालनोबिस की जयंती के उपलक्ष्य ; प्रसिद्ध भारतीय सांख्यिकीविद, भारतीय सांख्यिकी संस्थान के संस्थापक, भारत की द्वितीय पंचवर्षीय योजना के शिल्पकार।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

संयुक्त राष्ट्र दिवस, 2025 : 24 अक्टूबर

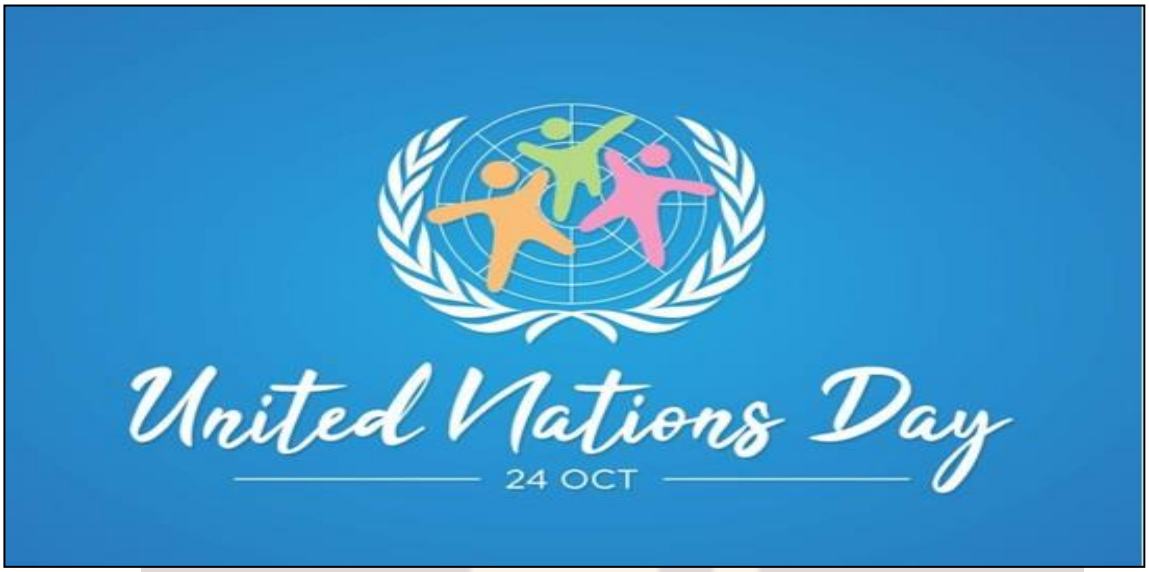

मुख्य बिन्दु:

- यह 24 अक्टूबर,1945 में स्थापित संयुक्त राष्ट्र की 80वीं वर्षगाँठ का प्रतीक है।
- **स्थापना का आधार :** संयुक्त राष्ट्र चार्टर पर 26 जून, 1945 को सैन फ्रांसिस्को में संयुक्त राष्ट्र अंतरराष्ट्रीय संगठन सम्मेलन के समापन पर हस्ताक्षर के बाद 24 अक्तूबर, 1945 को प्रभावी हुआ।
- संयुक्त राष्ट्र चार्टर को 51 देशों ने अनुमोदित किया था, जिनमें सुरक्षा परिषद के पाँच स्थायी सदस्य (अमेरिका, ब्रिटेन, रूस, चीन और फ्राँस) शामिल थे।

संयुक्त राष्ट्र :

- **परिचय :** संयुक्त राष्ट्र (UN) एक अंतर-सरकारी संगठन है, जिसकी स्थापना द्वितीय विश्व युद्ध के बाद की गई थी। यह लीग ऑफ नेशंस का उत्तरवर्ती है तथा अपनी विशेष एजेंसियों के माध्यम से वैश्विक शांति, सुरक्षा व सहयोग को बढ़ावा देने का कार्य करता है।
- **विकास :** सदस्यता संख्या 51 देशों (वर्ष 1945) से बढ़कर 193 देशों (वर्ष 2025) तक पहुँच गई है। (भारत संयुक्त राष्ट्र का एक संस्थापक सदस्य है।)
- **कार्यक्षेत्र का विस्तार :** स्वास्थ्य, पर्यावरण, लैंगिक समानता, मानवाधिकार तथा सतत् विकास को शामिल किया गया तथा इसने महामारी, शरणार्थी संकट तथा जलवायु परिवर्तन जैसे वैश्विक संकटों के प्रति प्रतिक्रिया भी दी है।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

- **संयुक्त राष्ट्र संस्थाएँ :** संयुक्त राष्ट्र के अंतर्गत कई संस्थाएँ कार्यरत हैं, जैसे - UNICEF, UNESCO, WHO, UNDP, जो शिक्षा, स्वास्थ्य, महिला सशक्तिकरण और पर्यावरण संरक्षण जैसे क्षेत्रों में कार्य करती हैं।

संयुक्त राष्ट्र के प्रमुख अंग:

1. **सुरक्षा परिषद:** वैश्विक शांति और सुरक्षा सुनिश्चित करना।
2. **महासभा:** सभी सदस्य देशों द्वारा महत्वपूर्ण मुद्दों पर विचार-विमर्श करना।
3. **अंतरराष्ट्रीय न्यायालय:** अंतरराष्ट्रीय विवादों का कानूनी समाधान करना।
4. **सचिवालय:** यूएन के प्रशासनिक कार्यों का संचालन।
5. **आर्थिक और सामाजिक परिषद:** आर्थिक, सामाजिक और पर्यावरणीय मुद्दों पर कार्य करना।

संयुक्त राष्ट्र की प्रमुख उपलब्धियाँ :

क्षेत्र	उपलब्धियाँ
शांति स्थापना और संघर्ष समाधान	संयुक्त राष्ट्र ने वर्ष 1948 से कांगो, लेबनान तथा दक्षिण सूडान जैसे संघर्षरत क्षेत्रों में 70 से अधिक शांति स्थापना मिशन तैनात किये। संयुक्त राष्ट्र शांति सेना को सशस्त्र संघर्षों को रोकने तथा वार्ता के लिये परिस्थितियाँ निर्मित करने हेतु वर्ष 1988 का नोबेल शांति पुरस्कार दिया गया था।
उपनिवेशवाद का उन्मूलन और राष्ट्र निर्माण	80 से अधिक देशों की स्वतंत्रता का समर्थन किया, मुख्य रूप से एशिया और अफ्रीका देशों का।
वैश्विक स्वास्थ्य	विश्व स्वास्थ्य संगठन (WHO); विभिन्न रोगों का उन्मूलन एवं प्रतिक्रिया।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

मानवीय सहायता	विश्व खाद्य कार्यक्रम (WFP), संयुक्त राष्ट्र शरणार्थी उच्चायुक्त (UNHCR)
मानवाधिकार संरक्षण	मानवाधिकारों की सार्वभौमिक घोषणा (1948), मानवाधिकार परिषद (2006), अंतरराष्ट्रीय आपराधिक न्यायालय (ICC) की स्थापना।
सतत् विकास	सहस्राब्दी विकास लक्ष्य (MDGs) (2000-2015) और सतत् विकास लक्ष्य (SDGs) (2015-2030) ।
जलवायु एवं पर्यावरणीय कार्रवाई	वर्ष 1988 में जलवायु परिवर्तन पर अंतर-सरकारी पैनल (IPCC) की स्थापना। पेरिस समझौता (2015)।
अंतरराष्ट्रीय कानून और न्याय	संयुक्त राष्ट्र ने अंतरराष्ट्रीय न्यायालय (ICJ) और संयुक्त राष्ट्र समुद्री कानून संधि (UNCLOS) और जिनेवा समझौतों जैसे अभिसमयों के माध्यम से विधि के शासन को सशक्त किया है।
शिक्षा और सामाजिक कल्याण	संयुक्त राष्ट्र शैक्षिक, वैज्ञानिक और सांस्कृतिक संगठन (UNESCO)। संयुक्त राष्ट्र अंतरराष्ट्रीय बाल आपातकालीन कोष (UNICEF)।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

राष्ट्रीय एकता दिवस, 2025 : 31 अक्टूबर

मुख्य बिन्दु:

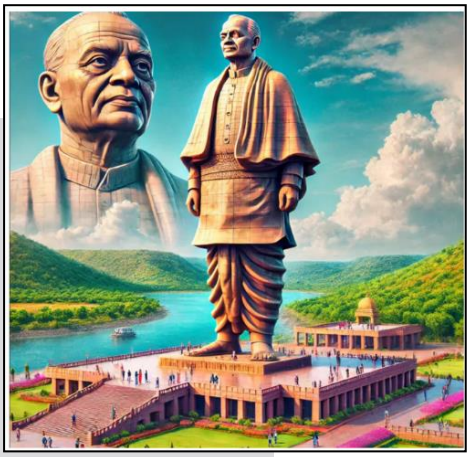

- **कारण :** सरदार वल्लभभाई पटेल (लौहपुरुष)की 150वीं जयंती (वर्ष 2025) के उपलक्ष्य में आयोजन।
- **शुरुआत :** यह पहली बार वर्ष 2014 में भारत सरकार द्वारा विचाराधीन देश की अखंडता के लिए खतरों के विरुद्ध देश की शक्ति, एकता और लचीलेपन को दोहराने के लिए मनाया गया था।

भारत निर्माण में पटेल का योगदान :

वर्ष	योगदान
1910	लंदन में मिडिल टेंपल से बैरिस्टर की उपाधि ।
1913	भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस में शामिल हुए।
1917	भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस की गुजरात शाखा, गुजरात सभा के सचिव चुने गए।
1918	खेड़ा सत्याग्रह का नेतृत्व किया, अकाल के समय किसानों के अधिकारों की वकालत की।
1922	असहयोग आंदोलन के दौरान गिरफ्तार।
1928	बारदोली सत्याग्रह (कर-मुक्ति अभियान) का नेतृत्व किया ; "सरदार" की उपाधि प्राप्त की।
1931	भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के अध्यक्ष चुने गए (कराची अधिवेशन) ।
1942	भारत छोड़ो आंदोलन के दौरान गिरफ्तार।
1946	भारत के संविधान का मसौदा तैयार करने में प्रमुख भूमिका निभाई।
1947	स्वतंत्र भारत के पहले उप-प्रधानमंत्री और गृहमंत्री बने।
1947–48	रियासतों के भारतीय संघ में विलय का नेतृत्व किया।
1948	हैदराबाद के विलय के लिए "ऑपरेशन पोलो" का निर्देशन किया।
1950	15 दिसंबर, 1950 को बॉम्बे (मुंबई) में निधन।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

- **सरदार वल्लभभाई पटेल की विचारधारा :** गांधीवादी दर्शन और राजनीति एवं शासन के व्यावहारिक दृष्टिकोण का सम्मिश्रण;
  1. पूर्ण स्वराज (पूर्ण स्वतंत्रता और आत्मनिर्भरता)।
  2. सत्याग्रह (सामाजिक और राजनीतिक परिवर्तन लाने का वास्तविक परिवर्तनकारी साधन)।
  3. समानता (छुआछूत, जातिगत भेदभाव और शराबखोरी के विरुद्ध संघर्ष) और धर्मनिरपेक्षता (हिंदू-मुस्लिम एकता)।
  4. मजबूत लोकतंत्र और संवैधानिक शासन।

सम्मान और उपाधियाँ

- **भारत के लौह पुरुष :** पटेल को भारत की एकता और अखंडता सुनिश्चित करने में उनके अद्वितीय प्रयासों के कारण यह उपाधि प्रदान की गई।
- **भारत रत्न :** वर्ष 1991 में मरणोपरांत भारत के सर्वोच्च नागरिक पुरस्कार से सम्मानित किया गया।
- **राष्ट्रीय एकता दिवस :** वर्ष 2014 में भारत सरकार ने उनकी जयंती को "राष्ट्रीय एकता दिवस" के रूप में शुरुआत की।
- **स्टैच्यू ऑफ़ यूनिटी :** 31 अक्टूबर, 2018 को केवड़िया (गुजरात) में विश्व की सबसे ऊची प्रतिमा का उद्घाटन किया गया।
- **सरदार सरोवर बाँध :** गुजरात में नर्मदा नदी पर निर्मित बाँध का नामकरण।
- **सरदार वल्लभभाई पटेल राष्ट्रीय पुलिस अकादमी :** पटेल के सम्मान में हैदराबाद में पुलिस अधिकारी प्रशिक्षण उच्च प्रतिष्ठित संस्थान की स्थापना की गई।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

खेल

ज्योति सुरेखा वेन्नम : तीरंदाज

चर्चा में क्यों?

- भारतीय तीरंदाज ज्योति सुरेखा वेन्नम ने चीन के नानजिंग में आयोजित तीरंदाजी विश्व कप फाइनल में कांस्य पदक जीता।

मुख्य बिन्दु:

- वह भारत की पहली महिला कम्पाउंड खिलाडी हैं जिन्होंने इस प्रतियोगिता में पदक हासिल किया।
- ज्योति ने ब्रिटेन की दूसरी वरीयता प्राप्त एला गिब्सन को हराया।
- एशियाई खेलों की चैंपियन ज्योति ने क्वार्टर फाइनल में अमरीका की एलेक्सिस रुइज़ को हराकर अपने अभियान की शुरुआत की।

अन्य महत्त्वपूर्ण बिंदु:

- भारत ने शंघाई में आयोजित आर्चरी वर्ल्ड कप स्टेज 2 में शानदार प्रदर्शन करते हुए कुल 7 पदक जीते, जिनमें 2 स्वर्ण, 1 रजत और 4 कांस्य शामिल हैं।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR